भारत व्यापार प्रणाली के लिए प्रतिबद्ध

पीयूष गोयल ने डब्लूटीओ ,डब्लूआईपीओ और ईयू नेताओं संग की मुलाकातें

नई दिल्ली, 23 अक्टूबर. वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने जिनेवा में कहा—भारत विश्व व्यापार संगठन (ङ्खञ्जह्र) के साथ मिलकर नियम आधारित वैश्विक व्यापार को आगे बढ़ाने के लिए तैयार है.भारत ने एक बार फिर वैश्विक मंच पर अपने रुख को स्पष्ट करते हुए कहा है कि वह नियमों पर आधारित बहुपक्षीय व्यापार प्रणाली के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है.

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल (पियूष गोयल) ने जिनेवा में आयोजित यूएनसीटैड सत्र के दौरान यह बात कही और डब्लूटीओ , डब्लूआईपीओ तथा यूरोपीय संघ (ईयू) के वरिष्ठ नेताओं से अहम मुलाकातें कीं.

भारत के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने गुरुवार को कहा कि देश एक नियम-आधारित बहुपक्षीय व्यापार प्रणाली को सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध है. उन्होंने कहा कि भारत, विश्व व्यापार संगठन (वर्ल्ड ट्रेड आर्गेनाइजेशन ङ्कडब्लूटीओ) के साथ मिलकर वैश्विक व्यापार को बढ़ावा देने के लिए तत्पर है. गोयल ने यह टिप्पणी संयुक्त राष्ट्र व्यापार और विकास सम्मेलन के 16वें सत्र के दौरान जिनेवा में की. इस अवसर पर उन्होंने की महानिदेशक न्गोजी ओकोंजो-इवेला से मुलाकात की और कहा कि भारत रचनात्मक एवं रचनात्मक संवाद के लिए तैयार है. उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, भारत की प्रतिबद्धता एक नियम-आधारित बहुपक्षीय व्यापार प्रणाली के प्रति दृढ़ है. हम डब्लूटीओ के साथ मिलकर वैश्विक व्यापार को और विस्तार देने को उत्सुक हैं. उन्होंने इस मुलाकात को बहुत उत्पादक और उत्साहवर्धक बताया. सत्र के दौरान गोयल ने विश्व बौद्धिक संपदा संगठन के महानिदेशक डैरेन टैंग से भी चर्चा की. उन्होंने कहा कि भारतङ्कडब्लूआईपीओ साझेदारी के 50 वर्ष पूरे होने पर हमने नवाचार और बौद्धिक संपदा के क्षेत्र में गहन सहयोग के रास्तों पर चर्चा की.

हिंदुस्तान यूनीलिवर का 4 प्रतिशत बढ़ा तिमाही मुनाफा

नई दिल्ली, 23 अक्टूबर. एफएमसीजी दिग्गज हिंदुस्तान यूनीलिवर लिमिटेड ने चालू वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी तिमाही में उम्मीद से बेहतर प्रदर्शन किया है. कंपनी का शुद्ध लाभ बढ़कर 2,694 करोड़ रुपये हो गया है. निदेशक मंडल ने शेयरधारकों के लिए 19 रुपये प्रति शेयर का अंतरिम लाभांश घोषित कर उन्हें बड़ा तोहफा दिया है.

हिंदुस्तान यूनीलिवर लिमिटेड ने को जारी तिमाही नतीजों में मजबूत प्रदर्शन दर्ज किया. कंपनी ने वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी तिमाही में 2,694 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ अर्जित किया, जो पिछले वर्ष की समान अवधि के 2,595 करोड़ रुपये के मुकाबले लगभग चार प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है.

'स्पेशल कैंपेन 5 .0' की हुई शुरुआत

डीएआरपीजी के मार्गदर्शन में डीपीआईआईटी ने अभियान शुरू किया

पीएमओ संदर्भों में 47% और लोक शिकायतों में 60% निपटान पूरा

उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग
Department for Promotion of Industry and Internal Trade

नई दिल्ली, 23 अक्टूबर: उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्द्धन विभाग एवं इसके अधीनस्थ संगठनों ने प्रशासनिक सुधार एवं लोक शिकायत विभाग के मार्गदर्शन में स्पेशल कैंपेन 5.0 के तहत स्वच्छता को संस्थागत रूप देने और लंबित मामलों को कम करने के लिए अभियान शुरू किया है.

विभाग की आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, अभियान का उद्देश्य सभी कार्यालयों में स्वच्छता को प्रोत्साहित करना और सरकारी कार्यों में लंबित मामलों का समयबद्ध निपटारा सुनिश्चित करना है. अभियान के पहले पखवाड़े में डीपीआईआईटी ने उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की है. प्रधानमंत्री कार्यालय, सांसदों, राज्य सरकारों, मंत्रिमंडल और लोक शिकायतों से संबंधित सभी लंबित संदर्भों की पहचान कर गुणवत्तापूर्ण निपटान की प्रक्रिया शुरू की गई है.

22 अक्टूबर 2025 तक विभाग ने पीएमओ संदर्भों में 47 प्रतिशत और लोक शिकायतों में 60 प्रतिशत से अधिक निपटान किया है. इसके अलावा 75 प्रतिशत से अधिक ई-फाइलें बंद की जा चुकी हैं. डीपीआईआईटी और इसकी इकाइयों में अब तक 291 स्वच्छता अभियान पूरे किए जा चुके हैं, जो निर्धारित गतिविधियों का लगभग 60 प्रतिशत है.

अभियान का उद्देश्य कार्यालयों में स्वच्छ और कुशल कार्य वातावरण स्थापित करना है. स्पेशल कैंपेन 5.0 का संचालन 2 से 31 अक्टूबर तक किया जा रहा है, जबकि इसकी तैयारी 15 से 30 सितंबर के बीच की गई थी.डीपीआईआईटी ने कहा है कि 31 अक्टूबर 2025 तक सभी लंबित मामलों का निपटान कर स्वच्छता को कार्य संस्कृति का हिस्सा बनाने के लिए विभाग पूरी तरह प्रतिबद्ध है.

भारत के चमड़ा उद्योग की आय में 10-12 प्रतिशत गिरावट

नयी दिल्ली, 23 अक्टूबर. रेटिंग एजेंसी क्रिसिल रेटिंग्स के एक ताजा विश्लेषण में कहा गया है कि अमेरिका में भारतीय सामानों पर 50 प्रतिशत तक के ऊंचे आयात शुल्क से भारत के चमड़ा उद्योग की आय सालाना आधार पर 10-12 प्रतिशत तक गिर सकती है और इकाइयों का परिचालन लाभ भी दो से तीन प्रतिशत तक प्रभावित हो सकता है.

क्रिसिल रेटिंग इंफॉर्मेशन सर्विसेज ऑफ इंडिया लिमिटेड (क्रिसिल) ने गुरुवार को जारी एक विश्लेषण में कहा है कि भारतीय चमड़ा उद्योग की निर्यात पर निर्भरता तथा अमेरिकी बाजार में बेचे जाने वाले तैयार चर्म उत्पादों पर अच्छी आय के चलते निर्यात क्षेत्र के साथ पूरे उद्योग का आय और परिचालन लाभ प्रभावित होगा. विश्लेषण के अनुसार, निर्यात कारोबार में परिचालन लाभ पर ढाई से तीन प्रतिशत और पूरे उद्योग के परिचालन लाभ में डेढ़ से दो प्रतिशत की कमी आ सकती है. रिपोर्ट के अनुसार, जीएसटी में कमी, आयकर में रियायत, मुद्रास्फीति और ब्याज दर में कमी से घरेलू बाजार में खपत बढ़ेगी और निर्यात में गिरावट का असर कुछ कम होगा. क्रिसिल ने कहा है कि पिछले वित्त वर्ष में निर्यात का 50 प्रतिशत हिस्सा यूरोपीय संघ और 22 प्रतिशत अमेरिकी बाजार में गया था. अमेरिका में शुल्क 50 प्रतिशत होने के कारण वहां के लिए निर्यात बुरी तरह प्रभावित हुआ है और ऑर्डर रद्द कर दिये गये हैं.

चाइना ईस्टर्न एयरलाइंस 09 नवंबर से दोबारा शुरू करेगी उड़ान

नयी दिल्ली, 23 अक्टूबर. चाइना ईस्टर्न एयरलाइंस आगामी नौ नवंबर से दिल्ली और शंघाई के बीच दोबारा उड़ान शुरू करेगी. एयरलाइंस ने गुरुवार को एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि यह उड़ान सप्ताह में तीन दिन बुधवार, शनिवार और रविवार को उपलब्ध होगी. दिल्ली से शंघाई की उड़ान शाम 7ञ्55 बजे और शंघाई से वापसी की उड़ान स्थानीय समय के अनुसार अगले दिन सुबह 4ञ्10 बजे रवाना होगी. दोनों देशों के बीच पांच साल से भी ज्यादा समय के बाद कोई सीधी उड़ान शुरू हो रही है. ईस्टर्न एयरलाइंस भारत के लिए पहली चीनी एयलाइंस है. भारतीय विमान सेवा कंपनी इंडिगो ने 26 अक्टूबर से कोलकाता से चीन के ग्वांग्झू के लिए उड़ान शुरू करने की घोषणा की है.

एसबीआई बना बेस्ट कंज्यूमर बैंक

ग्लोबल फाइनेंस अवॉर्ड्स में भारत का परचम, 'बेस्ट बैंक इन इंडिया 2025' का भी खिताब

नई दिल्ली, 23 अक्टूबर. भारत के सबसे बड़े सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने एक बार फिर वैश्विक मंच पर देश का नाम रोशन किया है. एसबीआई को ग्लोबल फाइनेंस, न्यूयॉर्क की ओर से दो प्रतिष्ठित सम्मान - 'वर्ल्डस बेस्ट कंज्यूमर बैंक 2025' और 'बेस्ट बैंक इन इंडिया 2025' - से नवाजा गया है. ये पुरस्कार वर्ल्ड बैंक/आईएमएफ एनुअल मीटिंग्स 2025 के दौरान आयोजित ग्लोबल फाइनेंस अवॉर्ड समारोह में प्रदान किए गए.

इन सम्मानों के साथ एसबीआई ने एक बार फिर यह साबित किया है कि वह न केवल भारत बल्कि वैश्विक स्तर पर भी नवाचार, वित्तीय समावेशन और ग्राहक सेवा उत्कृष्टता के क्षेत्र में अग्रणी है. बैंक ने अपने विशाल ग्राहक आधार को विश्वस्तरीय बैंकिंग अनुभव प्रदान करने के साथ-साथ देश के हर कोने में अपनी सेवाओं का विस्तार किया है. एसबीआई समूह अध्यक्ष चल्ला श्रीनिवासुलु सेटी ने कहा कि यह सम्मान बैंक की उत्कृष्टता के प्रति रोजाना किए जा रहे प्रयासों की पहचान है.

अमेरिकी शुल्क से चमड़ा उद्योग को झटका

अमेरिका के 50% आयात शुल्क से भारत का चमड़ा निर्यात बुरी तरह प्रभावित

क्रिसिल रिपोर्ट : इस वित्त वर्ष में राजस्व 10-12% तक घटने की संभावना

नई दिल्ली, 23 अक्टूबर. अमेरिकी आयात शुल्कों के प्रभाव से भारत के चमड़ा और संबद्ध उत्पाद उद्योग को मौजूदा वित्त वर्ष में 10 से 12 प्रतिशत तक राजस्व में गिरावट का सामना करना पड़ सकता है.

क्रिसिल रेटिंग्स की ताज़ा रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका द्वारा लगाए गए 50% टैरिफ (25% पारस्परिक शुल्क और 25% दंडात्मक शुल्क-रूस से तेल खरीद के कारण) के चलते भारतीय निर्यात पर बड़ा असर पड़ने वाला है.

रेटिंग एजेंसी ने बताया कि भारतीय चमड़ा उद्योग का बड़ा हिस्सा निर्यात पर निर्भर है, इसलिए घरेलू मांग में हल्की सुधार और कर ढांचे में रियायतों के बावजूद कुल आय में गिरावट तय है. मौजूदा परिस्थितियों में उद्योग की परिचालन लाभप्रदता में 150 से 200 आधार अंकों तक की गिरावट की आशंका जताई गई है.

क्रिसिल ने जिन 34 कंपनियों का विश्लेषण किया है, वे उद्योग की कुल आय का करीब 12.5 प्रतिशत प्रतिनिधित्व करती हैं. वित्त वर्ष 2025 में भारत के चमड़ा और संबद्ध उत्पाद उद्योग की कुल आय लगभग 56,000 करोड़ रुपये आंकी गई थी, जिसमें से 70 प्रतिशत आय निर्यात से आई थी.

> क्रिसिल रेटिंग्स की निदेशक जयश्री नंदकुमार ने बताया कि अमेरिकी बाजार से ऑर्डर रद्द या स्थगित हो जाने के कारण निर्यात मात्रा में इस वर्ष 13 से 14 प्रतिशत तक की गिरावट का अनुमान है. चूंकि अमेरिका को मुख्य रूप से तैयार चमड़ा उत्पाद—जैसे जूते और लेदर एक्सेसरीज़—निर्यात किए जाते हैं, जिनसे अधिक मूल्य प्राप्त होता है, इसलिए राजस्व पर असर और भी गंभीर होगा.

भाईदूज पर सस्ता हुआ सोना-चांदी बाजार

290 रुपए प्रति 10 ग्राम पर टूटा सोना

नई दिल्ली, 23 अक्टूबर. भाईदूज के पर्व पर भारतीय सर्राफा बाजार में सोना और चांदी की कीमतों में गिरावट दर्ज की गई है. गुरुवार को दोनों कीमती धातुएं सस्ती हुईं, जिससे त्योहारी सीजन में ग्राहकों को थोड़ी राहत मिली है.

यलो मेटल कहे जाने वाले सोने की कीमत में 290 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की गिरावट आई है, जबकि सफेद धातु यानी चांदी के

दामों में भी उल्लेखनीय गिरावट देखी गई है. दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद, लखनऊ और जयपुर सहित प्रमुख शहरों में 22 कैरेट सोना 1,19,840 रुपये प्रति 10 ग्राम और 24 कैरेट सोना 1,30,720 रुपये प्रति 10 ग्राम के आसपास कारोबार कर रहा है.

> **चांदी में बड़ी गिरावट**
>
> सोने के साथ-साथ चांदी की कीमतों में भी बड़ी गिरावट दर्ज की गई है. बीते दिन की तुलना में भारी गिरावट के बाद अब अधिकांश शहरों में चांदी का भाव 1,59,000 रुपये प्रति किलोग्राम हो गया है.बाजार विशेषज्ञों के अनुसार, अंतरराष्ट्रीय बाजार में डॉलर की मजबूती वैश्विक आर्थिक संकेतकों में उतार-चढ़ाव के कारण कीमती धातुओं पर दबाव देखने को मिल रहा है. वहीं घरेलू स्तर पर त्योहारी मांग के बावजूद निवेशक सतर्क रुख अपनाए हुए हैं.

सेंसेक्स पहली बार 85,000 और निफ्टी-50 सूचकांक 26,000 के पार

मुंबई, 23 अक्टूबर. अमेरिका और भारत के बीच व्यापार समझौता जल्द होने की खबरों से घरेलू शेयर बाजारों में गुरुवार को शुरुआती कारोबार में जबरदस्त तेजी देखी गयी और बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स पहली बार 85,000 तथा नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी-50 सूचकांक पहली बार 26,000 अंक के स्तर को छूकर लौटा. बाद में तेल एवं गैस, ऑटो और फार्मा सेक्टरों में गिरावट से बाजार की तेजी कम हुई.

चावल मजबूत ; चीनी, दालें नरम ; खाद्य तेलों में घट-बढ़

नयी दिल्ली, 23 अक्टूबर. घरेलू थोक जिंस बाजारों में गुरुवार को चावल के औसत भाव बढ़ गये जबकि गेहूं में टिकाव देखा गया. वहीं, दालों और चीनी में गिरावट रही जबकि खाद्य तेलों में उतार-चढ़ाव का रुख रहा.

विदेशों में मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का जनवरी वायदा 14 रिंगिट चढ़कर 4,470 रिंगिट प्रति टन पर पहुंच गया. अमेरिकी सोया तेल वायदा भी 1.44 प्रतिशत की बढ़त के साथ 50.79 डॉलर के भाव बोला गया. घरेलू थोक जिंस बाजारों में चावल की औसत कीमत छह रुपये बढ़कर 3,888.78 रुपये प्रति क्विंटल हो गयी. वहीं, गेहूं 2,883.12 रुपये प्रति क्विंटल पर लगभग स्थिर रहा. आटे की कीमत आठ रुपये घटकर 3,338.86 रुपये प्रति क्विंटल रही. खाद्य तेलों में उतार-चढ़ाव रहा. मूंगफली तेल की औसत कीमत 59 रुपये और सूरजमुखी तेल की 19 रुपये प्रति क्विंटल गिर गयी.

समाचार विशेष

आरक्षण सर्कल बदलेंगे या होगा टकराव?

युवा और दिग्गजों की रोमांचक टक्कर

नागपुर. जिला परिषद के सर्कल आरक्षण में जिले के ग्रामीण भागों के कुछ दिग्गज नेताओं के सपने टूट गए हैं तो किसी की चांदी भी हुई है. जैसा माहौल नजर आ रहा है उससे यह कयास लग रहे हैं कि कहीं दिग्गज आपस में टकराएंगे तो कहीं अपनी महत्वाकांक्षा पूरा करने के लिए सर्कल भी बदला जाएगा.

खासकर वे दिग्गज जिन्हें जिला परिषद अध्यक्ष बनने की खासी इच्छा है या वे भी जो चुनाव जीतकर उपाध्यक्ष या सभापति की कुर्सी कब्जाना चाहते हैं. इनमें भाजपा, कांग्रेस, राकां के अनेक सीनियर सदस्यों के नाम शामिल हैं. हालांकि पार्टियां इस बार नये व युवा चेहरों को मौका देने के मूड में हैं लेकिन कुछ अनुभवी सीनियरों को भी साथ रखा जाएगा.

सलिल व चिखले टकराएंगे- आगामी चुनाव में नये सर्कल रिधोरा में दो दिग्गज टकरा सकते हैं. इस सीट से सलिल देशमुख और पूर्व जिप उपाध्यक्ष चंद्रशेखर चिखले की करारी टक्कर देखने को मिल सकती है. बता दें कि मेटपांजरा सर्कल के चंद्रशेखर चिखले संयुक्त राष्ट्रवादी पार्टी की टिकट से चुनाव जीते थे और कांग्रेस-राकां गठबंधन में उन्हें जिला परिषद उपाध्यक्ष बनाया गया था लेकिन बीते चुनाव में चिखले का पत्ता पूर्व गृह मंत्री के बेटे सलिल देशमुख के लिए काटा गया. सलिल को मेटपांजरा सीट से चुनाव मैदान में उतारकर जेडपी के सभागृह में भेजा गया. तभी से चिखले नाराज चल रहे थे लेकिन पार्टी में बने हुए थे. मेटपांजरा में चिखले परिवार की दशकों से अच्छी सामाजिक व राजनीतिक पकड़ रही है. जब विधानसभा चुनाव में भी सलिल को उम्मीदवारी दी गई थी तब अनेक कार्यकर्ताओं ने इसे पुत्र मोह बताया था. नाराज चिखले ने पार्टी छोड़ दी थी और भाजपा में शामिल हो गए थे. उन्होंने अपने नेता पर जमीन से जुड़े कार्यकर्ताओं को साइड करने का आरोप लगाया था. नई सर्कल रचना में मेटपांजरा सर्कल की जगह रिधोरा ने ले ली है. यहां से चिखले भाजपा की टिकट से चुनाव लड़ने वाले हैं. अगर सलिल इस सीट से उतरे तो दोनों का मुकाबला रोमांचक होगा.

कुंभारे व झाड़े खोज रहे सर्कल- इस बार जिला परिषद अध्यक्ष पद ओबीसी ओपन वर्ग के लिए आरक्षित हुआ है. इसी के चलते भाजपा व कांग्रेस दोनों ही पार्टियों के कुछ सीनियर सदस्य किसी भी सूरत में चुनाव लड़ना चाहते हैं. कांग्रेस छोड़कर भाजपायी हुए पूर्व जिप उपाध्यक्ष मनोहर कुंभारे को भाजपा ने 3 विस क्षेत्रों का जिलाध्यक्ष बनाया है. आनंदराव राऊत दूसरे जिलाध्यक्ष हैं.

> **अवंतिका से होगा निधान का मुकाबला**
>
> कामठी विधानसभा क्षेत्र के वडोदा सर्कल से कांग्रेस की अवंतिका लेकूरवाले जीती थीं और महिला व बाल कल्याण सभापति बनी थीं. इस बार उनकी सीट सुरक्षित है जिसके चलते वे फिर मैदान में होंगी. भाजपा ने कांग्रेस के दिग्गजों को घेरने के लिए अपनी अलग ही रणनीति बनाई है. चर्चा है कि सीनियर सदस्यों को कांग्रेस के दिग्गजों के खिलाफ उतारा जाएगा. भाजपा के अनुभवी सदस्य अनिल निधान का सर्कल आरक्षण की भेंट चढ़ गया है. उन्हें जिला परिषद अध्यक्ष का दावेदार माना जा रहा है. इसलिए वे दूसरा सर्कल खोज रहे हैं. संभावना है कि लेकूरवाले के खिलाफ वे इस सीट से चुनाव लड़ेंगे. ऐसे में कांग्रेस के लिए चुनौती होगी.

जातिवाद को बेअसर करती विकास की राजनीति

पटना. बिहार में जातीय आधार पर कई राजनीतिक पार्टियां हैं. वहीं बड़ी पार्टियां भी जातीय आधार पर राजनीति को बढ़ावा देती हैं. यही वजह है कि चुनावी राजनीति पर एक बड़ा आरोप लगता है कि जातिवाद सबसे बड़ा मुद्दा है.

यह आंशिक सच है. जातियां चुनाव को प्रभावित करती हैं, लेकिन चुनाव जीतने का यह अंतिम उपाय नहीं है. यानी, चुनाव जीत की गारंटी जातीय नहीं दिलाती हैं. पिछले 20 वर्षों में जातिवाद के साथ विकास का मुद्दा भी प्रमुख रहा है. राजनीतिक पार्टियां जातिवाद पर ही नहीं, मुद्दों पर भी चुनाव लड़ती रही हैं, जबकि चुनाव में टिकट बांटने में जातिवाद की सबसे अधिक चर्चा होती है.

इस बार क्या हैं समीकरण?

पिछले चुनाव परिणाम बताते है कि अक्सर जातिवाद पर मुद्दे भारी रहे हैं. बेशक कुछ जातियों का बड़ा हिस्सा खास-खास राजनीतिक पार्टियों से जुड़ा हुआ है. फिर भी उनकी तादाद अधिक है, जो जाति के बदले मुद्दों पर मतदान करते है. 2005 से पहले तक बिहार की चुनावी राजनीति में जातिवाद का हल्ला बोल था. इसका असर भी चुनाव परिणाम को प्रभावित करता था. 1990 में मंडल कमीशन की सिफारिशों के लागू होने के बाद बड़ी आबादी आरक्षण के सवाल पर गोलबंद हुई थी. हालांकि, यह किसी जाति की गोलबंदी नहीं कही जा सकती है.

इसे कुछ राजनीतिक पार्टियों ने सामाजिक न्याय का नाम दे दिया. प्रारंभ में आरक्षण का जोरदार विरोध भी हुआ. विरोध ने समाज के उस तबके को गोलबंद कर दिया, जिन्हें सरकारी सेवाओं में आरक्षण का लाभ मिल रहा था. इस गोलबंदी का असर यह हुआ कि आज कोई भी राजनीतिक पार्टी आरक्षण का विरोध करने का साहस नहीं जुटा सकती. सरकार ने सवर्ण गरीबों को भी आरक्षण का लाभ दे दिया है.

ईपीएस नहीं चाहते तिकड़ी की वापसी

चेन्नई. तमिलनाडु में एनडीए के अंदर सब कुछ ठीक नहीं है. भारतीय जनता पार्टी चाहती है कि एनडीए छोड़ कर गए नेताओं की वापसी कराई जाए. लेकिन अन्ना डीएमके प्रमुख और राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री ई पलानीस्वामी नहीं चाहते हैं कि छोड़ कर गए नेता वापस लौटें.

वैसे भी अन्ना डीएमके में टूट और एनडीए छोड़ कर नेताओं के जाने का प्रबंध तो ईपीएस ने ही किया है. इसलिए वे क्यों चाहेंगे कि इन नेताओं की वापसी एनडीए में हो! जयललिता के जमाने से अन्ना डीएमके में रहे और जातीय, सामाजिक समीकरण में फिट बैठ रहे नेताओं की तिकड़ी भी उनसे नाराज है. बताया जा रहा है कि ईपीएस नहीं चाहते हैं कि पूर्व मुख्यमंत्री ओ पनीरसेल्वम यानी ओपीएस की वापसी हो. इसी तरह वे वीके शशिकला और उनके भतीजे टीटीवी दिनाकरण की वापसी के भी खिलाफ हैं. ईपीएस, शशिकला और टीटीवी तीनों पिछले कुछ दिन में एनडीए छोड़ कर गए हैं. भाजपा चाहती है कि इन तीनों को वापस लाया जाए. अमित शाह ने इसकी पहल की है. चुनाव से पहले इनके एनडीए में आने से फायदा होगा लेकिन ये तीनों चाहते हैं कि एनडीए की ओर से मुख्यमंत्री के चेहरे के तौर पर ईपीएस को पेश नहीं किया जाए.

विशेष | झारखंड मुक्ति मोर्चा ने महागठबंधन से किनारा किया

राजद का अपमान, जागा झामुमो का स्वाभिमान

रांची. बिहार विधानसभा चुनाव के बीच एक बड़ा राजनीतिक झटका विपक्षी महागठबंधन को लगा है. झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) ने बिहार में सीट बंटवारे में असहमति के बाद राजद से गठबंधन तोड़ दिया है और बिहार में अपनी छह सीटों पर अकेले चुनाव लड़ने का ऐलान किया है. लेकिन यह फैसला सिर्फ बिहार तक सीमित नहीं रहेगा इसकी राजनीतिक गूंज झारखंड तक सुनाई देने लगी है. राज्य की सत्ता में शामिल झामुमो और राजद के रिश्तों में आई दरार अब झारखंड सरकार के भीतर भी असर डाल सकती है, क्योंकि झामुमो ने राजद के साथ रिश्तों की समीक्षा की बात कहकर राजनीतिक हलचल मचा दी है.

झारखंड मुक्ति मोर्चा के महासचिव और प्रवक्ता सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि -बिहार में हमारे साथ धोखा हुआ है. जब-जब झारखंड में चुनाव हुए हमने गठबंधन धर्म निभाया और राजद को सम्मान दिया, लेकिन जब हमारी बारी आई तो हमें नजरअंदाज किया गया. उन्होंने कहा कि बिहार में राजद की जिद के कारण महागठबंधन के भीतर सीट बंटवारे पर सहमति नहीं बन पाई. झामुमो बिहार की 12 सीटें मांग रहा था, लेकिन राजद महज 2-3 सीटें देने को तैयार थी. नतीजतन झामुमो ने महागठबंधन से अलग होने का ऐलान कर दिया और कहा कि वह चकाई, धमदाहा, कटोरिया, मनिहारी, जमुई और पीरपैंती सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारेगा.

> **झारखंड की सियासत पर असर-क्या हिलेगी मंत्री की कुर्सी?**
>
> जानकार कहते हैं कि अगर झामुमो ने बिहार की तरह झारखंड में भी राजद से दूरी बढ़ाई तो इसका सीधा असर झारखंड मंत्रिमंडल पर पड़ सकता है. राजद कोटे से मंत्री संजय यादव की कुर्सी पर खतरा मंडरा सकता है. झामुमो का यह कदम न केवल राजद की राजनीतिक हैसियत को झटका देगा, बल्कि झारखंड की गठबंधन सरकार के भीतर विश्वास के ताने-बाने को भी कमजोर करेगा.